POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-I (Hons)- Paper-I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

राज्य की प्रकृति एवं तत्व

राज्य की अवधारणा राजनीति विज्ञान में प्रमुख स्थान रखती है। इसने प्लेटो के समय से ही अनेकों राजनीति-वैज्ञानिकों का ध्यान आकृष्ट किया है। शासन के रूप में राज्य एक व्यवस्था है। जो भी उससे जुड़ा उसको राजनीतिक व्यवस्था अथवा राजनीतिक समाज कहा जा सकता है। राज्य विशिष्ट रूप से राजनीतिक प्रथाओं के एक सेट के रूप में उदय होता है, जो बाध्यकारी निर्णयों को परिभाषित करता है और उन्हें लागू करता है।

गिलक्राइस्ट के अनुसार "राज्य उसे कहते हैं जहाँ कुछ लोग एक निश्चित प्रदेश में, एक सरकार के अधीन संगठित होते हैं। यह सरकार आंतरिक मामलों में अपनी जनता की प्रभुसत्ता को प्रकट करती है और बाहरी मामलों में अन्य सरकारों से स्वतंत्र होती है।"

इसप्रकार, देखा जाता है कि राज्य सामाजिक नियंत्रण और समाज को सामाजिक स्थिरता प्रदान करता है।

Scanned with CamScanner